अगले पांच साल में पेक का इंफ्रास्ट्रक्चर आइआइटी के बराबर होगा

पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) यानी पेक इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए देश ही नहीं दुनिया के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कालेजों में गिना जाता है। पेक का एकेडमिक स्तर देश के कई आइआइटी से बेहतर माना गया है। यहां से डिग्री के बाद क्वालिटी एजुकेशन और रिसर्च के कारण चंडीगढ़ प्रशासन ने पेक को आइआइटी स्टेटस दिलाने का प्रपोजल एमएचआरडी को भेजा है। बीते सालों में पेक स्टूडेंटस की कैंपस प्लेसमेंट ने नए रिकार्ड कायम किए हैं। अंतरिक्ष में देश का झंडा फहराने वाली पहली महिला कल्पना चावला, कॉमेडी किंग स्वर्गीय जसपाल भट्टी, मिस इंडिया वर्ल्ड 2012 रही वान्या मिश्रा जैसी नामी सेलिब्रिटी पेक ने ही तैयार किए हैं। देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट पेक की उपलब्धियों और भावी प्रोजेक्ट को लेकर दैनिक जागरण के सीनियर चीफ रिपोर्टर **डॉ. सुमित सिंह श्योराण** ने पेक डायरेक्टर प्रोफेसर **मनोज के अरोड़ा** से विशेष बातचीत की। पेश है कुछ खास अंश...

सप्ताह का साक्षात्कार

पेक बनेगा देश का बेस्ट इंजीनियरिंग रिसर्च सेंटर

पेक का एकेडमिक स्तर देश के कई आइआइटी से बेहतर

भविष्य में पेक की पहचान ग्लोबल यूनिवर्सिटी के तौर पर होगी

• देश के प्रतिष्ठित इंस्टीट्यूट पेक के बारे में आपका क्या कहना है?

-क्वालिटी एजुकेशन को लेकर किसी भी मायने में पेक आज आइआइटी या अन्य इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट से कमतर नहीं है। 1921 में लाहौर में शुरू हुए पेक को 1947 में रुड़की और फिर 1953 में मौजूदा कैंपस में स्थापित किया गया। पेक नार्थ रीजन में स्थापित पहला इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट रहा है। पीयू भी इसके बाद स्थापित हुआ। पेक कैंपस में पंजाब असेंबली का पहला सेशन लगा और इसी कैंपस में एमएलए हॉस्टल था। यह एक हेरिटेज कैंपस के तौर पर भी जाना जाता है। 2003 में पेक को डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा मिला।

• पेक को आइआइटी के मुकाबले कहां देखते हैं?

-अगर बात इंफ्रास्ट्रक्चर की है तो तो हम अभी काफी पीछे हैं। एकेडमिक और रिसर्च क्वालिटी में तो पेक कई एनआईआईटी और आइआइटी से बेहतर है। फिलहाल पेक का फोकस रिसर्च एंड डेवलेपमेंट पर है। किसी भी आइआइटी का कैंपस 500 एकड़ तक होता है, जबकि पेक 146 एकड़ में है। 12 एकड़ गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्किटेक्ट के पास है। कैंपस एरिया और इंफ्रास्ट्रक्चर में बढ़ोतरी की काफी गुंजाइश है। देश के आइआइटी इंस्टीट्यूट के मुकाबले पेक अभी खुद को स्थापित कर रहा है। आइआइटी को काफी अधिक ग्रांट मिलती है। उससे उनका इंफ्रास्ट्रक्चर काफी बेहतर है।

पेक डायरेक्टर प्रो. मनोज के अरोड़ा का जीवन परिचय

प्रोफेसर मनोज के अरोड़ा इंजीनियरिंग फिल्ड की जानी मानी हस्ती हैं। पिछले पांच साल में प्रो .अरोड़ा की देखरेख में पेक ने नए प्रोजेक्ट शुरू किए हैं। अरोड़ा को 30 सालों से अधिक का टीचिंग और प्रशासनिक पदों पर काम का अनुभव है। आईआईटी रुड़की में डीन एकेडमिक, प्रतिष्ठित गेट टेस्ट (ग्रेजुएट एप्टीट्यूट टेस्ट इन इंजीनियरिंग) के चेयरमैन, यूजीसी से लेकर देश भर की विभिन्न आईआईटी की गवर्निंग बॉडी के मेंबर हैं। यूटी प्रशासन की कई एडवाइजरी कमेटी के सदस्य और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट से भी ये जुड़े हुए हैं। पेक एल्युमनी होने के कारण शहर से खास जुड़ाव है। अरोड़ा 1984 में पेक से सिविल इंजीनियरिंग (ग्रेजुएट), 1980 में रुड़की आईआईटी से एम. टेक की। 1988 में इन्होंने रुड़की में ही असिस्टेंट प्रोफेसर (लेक्चरर) के तौर पर ज्वाइन किया। 10वीं और 12वीं की स्कूली पढ़ाई केंद्रीय विद्यालय रुड़की से की है। पीएचडी इन्होंने स्वैनेजी यूनिवर्सिटी यूके और पोस्ट डॉक्टरेट रिसर्च यूएसए से की है। प्रो .अरोड़ा को कॉमन वैल्थ स्कॉलरशिप से भी नवाजा जा चुका है। इनकी पत्नी माला शिक्षा (स्कूल) क्षेत्र से जुड़ी रही हैं। बेटी कोमल टैक्सेस यूनिवर्सिटी से एमटेक और बेटा सिद्धर्थ इंफोसिस कंपनी में कार्यरत है। डॉ. मनोज को एक कुशल एडमिनिस्ट्रेटर और अपने फिल्ड के माहिर के तौर पर जाना जाता है।

• देश के इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट की रैंकिंग में पेक कहां है?

-किसी भी इंस्टीट्यूट की रैंकिंग एकेडमिक के अलावा रिसर्च, फैकल्टी, पेटेंट आदि कई चीजों को ध्यान में रखकर होनी चाहिए। 2017 में पेक को 85वीं और 2018 में 73वीं रैंक हासिल हुई है। अभी रैंकिंग सिस्टम में काफी सुधार करना होगा। उम्मीद है, पेक अगले पांच सालों में टॉप रैंकिंग इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट में शामिल होगा।

• पेक स्टूडेंट्स की प्लेसमेंट लगातार नए रिकार्ड बना रही है?

-बीते कुछ सालों में पेक स्टूडेंट्स को रिकॉर्ड सैलरी पैकेज मिले हैं। 90 फीसद से अधिक स्टूडेंट्स की प्लेसमेंट आसानी से हो रही है। पेक स्टूडेंट को 34 लाख का सालाना पैकेज मिला है। स्टूडेंट्स की औसतन 5 से 9 लाख पैकेज मिल रहा है, जोकि कई आइआइटी के बराबर है। कंप्यूटर साइंस में तो पेक की 100 फीसद प्लेसमेंट है।

• पेक डेवलपमेंट को लेकर किन प्रोजेक्ट पर फोकस रहेगा?

-एकेडमिक के अलावा पेक का पूरा फोकस रिसर्च एंड डेवलेपमेंट पर है। कैंपस में नए रिसर्च सेंटर तैयार हो रहे हैं। उन्हें गवर्नमेंट और प्राइवेट इंस्टीट्यूट की मदद से तैयार किया जा रहा है। 27 पीएचडी कराई जा चुकी हैं। 200 पीएचडी प्रोग्राम में रजिस्टर्ड हैं। रिसर्च से ही किसी संस्थान के आउटपुट का सही आंकलन किया जा सकता है।

• 5 साल में किस तरह की ग्रोथ हुई?

-रिसर्च पर अधिक फोकस किया गया है। इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर करने के लिए यूटी से 100 करोड़ की स्पेशल ग्रांट मिली है। रिसर्च सेंटर और लैब स्थापित किए गए हैं। इंडस्ट्री ने लैब स्पांसर की हैं। पेक एल्युमनी ने कई करोड़ के प्रोजेक्ट ऑफर किए हैं। 2021 में पेक के 100 साल पूरा होने पर पेक की डेवलेपमेंट में बड़ा चैंज देखने को मिलेगा। उसके लिए अभी से काम शुरू हो गया है।

• पेक में इस समय किन कोर्स में एडमिशन दिया जाता है?

-पेक में 8 बीटेक, 14 एमटेक कोर्स के अलावा पीएचडी कोर्स कराए जाते हैं। मौजूदा समय में 150 के करीब फैकल्टी है, जिसे भविष्य में 250 तक करने का प्रपोजल है। 3 हजार के करीब स्टूडेंट हैं। 30 से 40 इंडियन ओरिजन के फॉरेन स्टूडेंट्स भी हैं। हर साल बीई प्रथम वर्ष में करीब 750 सीटों पर दाखिला दिया जाता है।

• पेक के रिसर्च सेंटर में इस समय किन प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है?

-पेक चंडीगढ़ के स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में अहम भूमिका निभाएगा। विभिन्न 14 तरह के रिसर्च सेंटर पर काम चल रहा है। चंडीगढ़ के अलावा पंजाब और हरियाणा के भी कई प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। स्मार्ट बस सेल्टर, एयर क्वालिटी सेंटर सहित कई प्रोजेक्ट यहां पर चल रहे हैं। 'क्रिक' के तहत कई विदेशी यूनिवर्सिटी के साथ एक्सचेंज प्रोग्राम शुरू किया जा रहा है। उससे हमारे स्टूडेंट्स को विदेश में भी पढ़ने का मौका मिलेगा।

पेक डायरेक्टर के तौर पर दूसरा टर्म मिला है, किन प्रोजेक्ट पर आपका फोकस रहेगा?

अगले पांच साल पेक के लिए काफी महत्वपूर्ण होंगे। मेरे एजेंडे में पेक के लिए नया कैंपस मंजूर करवाना है। सारंगपुर में 200 एकड़ जमीन की मांग की है। नया कैंपस पूरी तरह रेजिडेंशियल और आइआइटी के इंफ्रास्ट्रक्चर के बराबर तैयार होगा। यहां स्टूडेंट और टीचर्स का पूरी तरह रिसर्च पर फोकस रहेगा। नई मल्टी स्टोरी बिल्डिंग और गर्ल्स हॉस्टल बनाए जाएंगे। पेक को टेक्नोलॉजी,एंटरप्न्योर और ग्लोबल यूनिवर्सिटी के तौर पर स्थापित करने पर पूरा फोकस रहेगा।

• पेक को आइआइटी का दर्जा कब तक मिलने की संभावना है?

-पेक 2021 में सौ साल का हो जाएगा। इससे पहले पेक को यह स्टेटस मिलने की उम्मीद है। फिलहाल केंद्र सरकार कोई नया आइआइटी डेवलप नहीं कर रही। पेक का फोकस एमएचआरडी के सेंट्रल फंडिड टेक्निकल इंस्टीट्यूट का दर्जा लेना है। वैसे आइआइटी का प्रपोजल यूटी प्रशासन ने केंद्र सरकार के पास जा चुका है। इस साल से पेक अंडर ग्रेजुएट कोर्स में दाखिला आइआइटी और एनआइआइटी की सेंट्रलाइज्ड काउंसिलिंग ज्वाइंट सीट एलोकेशन अथॉरिटी (जोसा) के तहत होगा, जिससे पेक अन्य प्रीमियर इंस्टीट्यूट में शामिल हो जाएगा।